Millennium Post

18 June, 2018

'India should collaborate in AI with leading countries'

NEW DELHI: Indian government departments should take the lead in developing cross-border collaborations with countries leading in Artificial Intelligence (AI) research, industry chamber Assocham said on Sunday.

The departments like the External Affairs Ministry (MEA) and the Department of Science and Technology (DST), should drive cooperative relationships with frontrunners like Japan, the UK, Germany, Singapore, Israel and China to develop solutions for social and economic challenges and accelerate strategy formulation in AI, machine learning (ML) and other new technologies, Assocham said citing its joint study with British advisory multinational PricewaterhouseCoopers (PwC).

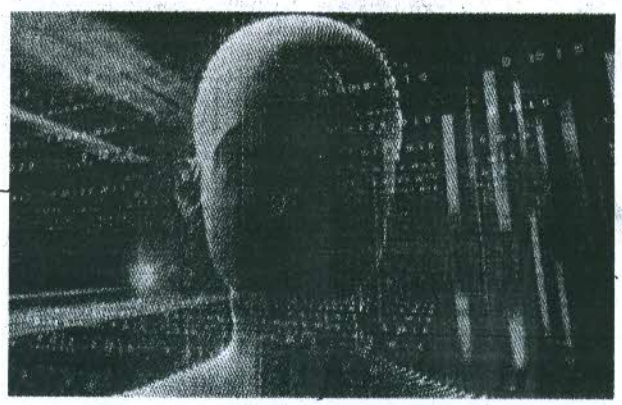

"Exchanging best practices and learnings from prior initiatives is one way of strengthening cooperation," the study titled "Advance artificial intelligence for growth: Leveraging AI and robotics for India's economic transformation" said.

It also suggested that policy planning in AI must be aimed at creating an ecosystem that is supportive of research, innovation and commercialisation of applications.

"The public sector, with its various schemes (Digital India, Make in India, Skill India), could identify areas where specific applications of AI and robotics can be utilised to increase reach, effectiveness and efficiency, thus giving direction to existing innovation across different fields," the study said.

According to Assocham, setting up digital data banks and exchanges to stream-in information from across industries, together with revision of secondary school and university curriculum to inculcate interest in AI, will help create an enabling environment for AI-led growth. IANS

Rajasthan Patrika

18 June, 2018

एसोचैम की रिपोर्ट

एआइ में मिल सकता है युवाओं को रोजगार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

नई दिल्ली. उद्योग संगठन एसोचैम ने रविवार को कहा कि भारत सरकार को कृत्रिम बुद्धिमता (एआइ) से संबंधित अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी देशों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। इस क्षेत्र में युवाओं को रोजगार देने की काफी संभावनाएं हैं।

एसोचैम ने सलाहकार सेवाएं देने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनी प्राइस वाटर हाउस कूपर (पीडब्ल्यूसी) के साथ अपने संयुक्त अध्ययन का हवाला दिया है। रिपोर्ट में कहा गया कि विदेश मंत्रालय (एमईए) और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, सिंगापुर और चीन जैसे अग्रणी देशों से मिलकर सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का समधान तलाशना चाहिए और एआई, मशीन लर्निंग (एमएल) व अन्य नई प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रणनीति बनाने में तेजी लानी चाहिए।

प्रशिक्षण दे कर निखारें कौशल

उद्योग संगठन ने अपने अध्ययन 'एडवांस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फॉर ग्रोथ लेवरेजिंग एआइ एंड रोबोटिक्स फॉर इंडिया' में कहा है कि एनालिटिक्स और एमएल के क्षेत्र में उच्च कौशल वाले युवाओं को समर्थ बनाने के लिए प्रशिक्षण केंद्र खोलकर सरकार इन क्षेत्रों को बढ़ावा देने के साथ ही रोजगार मुहैया कराने का काम भी कर सकती है। इससे दुनियाभर से डाटा चालित उद्यमी भार में अपने विशिष्ट केंद्र स्थापित करने के लिए आ सकते हैं।

ASSOCHAM IN THE NEWS

Deshbandhu

18 June, 2018

भारत को एआई में अग्रणी देशों के सहयोग की दरकार : एसोचैम

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। उद्योग संगठन एसोचैम ने रविवार को कहा कि भारत सरकार को कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) से संबंधित अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी देशों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। एसोचैम ने ब्रिटिश सलाहकार व बहुराष्ट्रीय कंपनी प्राइसवाटरहाउसकूपर (पीडब्ल्यूसी) के साथ अपने संयुक्त अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि विदेश मंत्रालय (एमईए) और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, सिंगापुर, इजरायल और चीन जैसे अग्रणी देशों के साथ मिलकर सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का समधान तलाशने के लिए काम करना चाहिए और एआई, मशीन लर्निंग (एमएल) व अन्य नई प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रणनीति बनाने में तेजी लानी चाहिए। उद्योग संगठन ने अपने अध्ययन एडवांस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फॉर ग्रोथ: लेवरेजिंग एआई एंड रोबोटिक्स फॉर इंडिया में कहा है, पूर्व के उपक्रमों के बेहतर कार्यों का आदान-प्रदान व अध्ययन सहयोग को मजबूती प्रदान

सहयोगात्क प्रयास व शैक्षणिक समुदाय, सार्वजनिक क्षेत्र, निजी उद्योग जैसे एआई आधारित अनुसंधान के तीन स्तंभों के बीच जारी बातचीत को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए : एसोचैम

करने का एक तरीका है। अध्ययन में यह भी सुझाव दिया गया है कि एआई में नीतिगत योजना का मकसद ऐसे तंत्र का निर्माण है, जो अनुसंधान, नवाचार और अनुप्रयोगों के वाणिज्यिकरण में सहायक हो। एसोचैम ने कहा, सार्वजनिक क्षेत्र को अपनी विभिन्न योजनाओं (डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया) के साथ उन क्षेत्रों की पहचान करनी चाहिए, जहां एआई, रोबोटिक्स का उपयोग पहुंच बढ़ाने के साथ-साथ उसे प्रभावोत्पादक व दक्ष बनाने में किया जा सकता है। इस प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में मौजूदा नवाचार कार्य को दिशा-निर्देश प्रदान किया जाना चाहिए।